भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 4773
गुरूवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण,1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

नए विमानपत्तनों की स्थापना

4773. श्री बिद्युत बरन महतोः

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राज्य का दर्जा प्राप्त करने के बाद से झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड में वायु कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए स्वीकृत नए विमानपत्तनों की संख्या का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे खनिज संपन्न राज्यों में, जहाँ प्रमुख औद्योगिक समूह कार्यरत हैं, औद्योगिक विकास को सुगम बनाने के लिए पर्याप्त वायु कनेक्टिविटी की कमी से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का भविष्य में नए विमानपत्तन बनाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग) : भारत सरकार (जीओआई) ने देश में नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास हेतु ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 तैयार की है। इस नीति के अनुसार, यदि राज्य सरकार सहित कोई भी हवाईअड्डा विकासकर्ता हवाईअड्डे को विकसित करना चाहता है, तो उसे एक उपयुक्त स्थल की पहचान करनी होगी, व्यवहार्यता संबंधी अध्ययन करवाना होगा और 'स्थल स्वीकृति' तथा उसके बाद 'सैद्धांतिक' अनुमोदन के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड राज्यों में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए संबंधित राज्य सरकार या किसी हवाईअड्डा विकासकर्ता की ओर से **'**साइट क्लीयरेंस**'** का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने और आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाने के लिए दिनांक 21 अक्टूबर 2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) भी शुरू की है। आरसीएस-उड़ान एक सतत बाजार-संचालित योजना है, जिसके तहत असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से संपर्क बढ़ाने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया आयोजित की जाती है। विशिष्ट मार्गों के लिए अनुमानित मांग के आधार पर, एयरलाइन इस योजना के तहत बोलियाँ प्रस्तुत करती हैं। इस योजना के तहत हवाईअड्डे के तैयार होने के बाद, वैध बोलियाँ को मार्गों के परिचालन के लिए एयरलाइनों को अवार्ड किया जाता है।

आरसीएस–उड़ान के अंतर्गत, झारखंड राज्य में बोकारो, दुमका, जमशेदपुर, हज़ारीबाग, देवघर और डाल्टनगंज 6 (छह) हवाईअड्डों की पहचान विकास और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए की गई थी। इनमें से, देवघर और जमशेदपुर हवाई अड्डों से आरसीएस उड़ानें शुरू हो चुकी हैं।

इसके अलावा, आरसीएस–उड़ान के अंतर्गत, छत्तीसगढ़ राज्य में जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर 3 (तीन) हवाई अड्डों और उत्तराखंड राज्य में पंतनगर और पिथौरागढ़ नामक 2 (दो) हवाईअड्डों की पहचान विकास और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए की गई थी। इन सभी हवाई अड्डों से आरसीएस उड़ान परिचालन शुरू हो गए है।

उत्तराखंड में आरसीएस–उड़ान के अंतर्गत 11 हेलीपोर्ट भी प्रचालनरत किए गए हैं।

*****